भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर (2024-2025)

कक्षा 10	विषय – हिंदी (पाठ्यक्रम-ब)	Date – 25-04-2024
प्रश्न बैंक	पाठ: **हरिहर काका** (मिथिलेश्वर) **– संचयन-भाग दो**	Note: Pl. file in portfolio

नाम: ___________________________अनुभाग: ______अनुक्रमांक: ______दिनांक: _____________

प्रश्न-1-हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे ?

उत्तर-1-हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के लगने लगे क्योंकि दोनों उनकी जायदाद के भूखे थे। महंत ने धर्म और ईमान की प्यारी-प्यारी बातें कर हरिहर को ठाकुरबारी के नाम अपनी पूरी संपत्ति लिख देने के लिए कहा। समझाने से काम नहीं बना तो हरिहर काका को बुरी तरह मार-पीटकर उनके अँगूठे के निशान ले लिए। उधर हरिहर काका के भाइयों ने खून के रिश्ते के नाम पर भाईचारा और सज्जनता दिखाकर उनकी जायदाद हड़पने की कोशिश की। काम नहीं बना तो अपने ही हाथों से उन्हें खूब मारा-पीटा और ज़मीन पर पटक दिया। इन दोनों घटनाओं से हरिहर काका का मोह भंग हो गया और उनके दिल को सदमा पहुँचा।

प्रश्न-2-ठाकुरबारी के प्रति गाँववालों के मन में अपार श्रद्धा के जो भाव हैं, उससे उनकी किस मनोवृत्ति का पता चलता है ?

उत्तर-2-अधिकांश लोगों का विश्वास था कि उनकी सारी परेशानियाँ ठाकुरबारी की कृपा से ही दूर होती हैं। उन्हें अच्छी फसल होती है तो ठाकुरजी की कृपा से। मुकदमे में उनकी जीत हुई तो ठाकुरजी के चलते। लड़की की शादी जल्दी तय हो गई, क्योंकि ठाकुरजी को मनौती मनाई गई थी। ठाकुरबारी में साधु-संतों के प्रवचन सुन और ठाकुरजी के दर्शन कर वे अपना जीवन सार्थक मानने लगते थे। उन्हें ऐसा महसूस होता था कि ठाकुरबारी में प्रवेश करते ही वे पवित्र हो जाते हैं। उनकी इस अटूट श्रद्धा से उनकी प्रगाढ़ धार्मिक मनोवृत्ति का पता चलता है।

प्रश्न-3-कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने यह क्यों कहा, "अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु से डरते हैं। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को वरण करने के लिए तैयार हो जाता है।"

उत्तर-3-इस कहानी में हरिहर काका को हर तरफ़ से शारीरिक और मानसिक कष्ट पहुँचाया जाता है। महंत से लेकर उनके सगे भाई भी उनकी दुर्गति करते हैं। कभी धर्म के नाम पर, कभी रिश्तों के नाम पर उन्हें ठगने की कोशिश की जाती है। इस स्थिति में हरिहर काका को अपना जीवन मौत से भी बदतर लगने लगा। उन्हें ज्ञान हो गया कि जीवन में मौत आएगी तो एक तरह से मुक्ति मिलेगी। अब उन्हें मृत्यु से कोई भय नहीं रहा। कथावाचक के साथ विचार-विमर्श करने से पहले काका अज्ञान की स्थिति में थे। बाद में वे जान गए कि एक बार ज़मीन उन्होंने भाइयों के नाम लिख दी तो उनकी ज़िंदगी नरक बन जाएगी। इसलिए वे मौत से टकराने के लिए तैयार हो गए।

प्रश्न-4-कथावाचक और हरिहर काका के बीच क्या संबंध हैं और इसके क्या कारण हैं ?

उत्तर-4-कथावाचक और हरिहर काका के बीच आदर-सम्मान, प्रेम और मित्रता का घनिष्ठ संबंध है। इस आसक्ति के व्यावहारिक और वैचारिक कारणों में से प्रमुख कारण दो हैं। एक तो यह है कि हरिहर काका लेखक के पड़ोस में रहते थे और दूसरा कारण यह है कि हरिहर काका बचपन में लेखक को बहुत दुलार करते थे, अपने कंधे पर बैठाकर घुमाया करते थे। हरिहर काका की अपनी कोई संतान नहीं थी। इसलिए एक पिता अपने बच्चे को जितना प्यार करता है, उससे कहीं ज़्यादा प्यार वे लेखक को करते थे।

प्रश्न-5-अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं - कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-5-अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं। वे जानते हैं कि जब तक उनकी ज़मीन-जायदाद उनके पास है, तब तक सभी उनका आदर करेंगे। ठाकुरबारी के महंत हरिहर काका को इसलिए समझाते हैं कि वे उनकी ज़मीन ठाकुरबारी के नाम करवाना चाहते हैं। उनके भाई उनका आदर-सत्कार ज़मीन के कारण करते हैं। हरिहर काका ऐसे कई लोगों को जानते हैं, जिन्होंने अपने जीते-जी अपनी ज़मीन किसी और के नाम लिख दी थी। बाद में उनका जीवन नरक बन गया। वे नहीं चाहते थे कि उनके साथ भी ऐसा हो।

प्रश्न-6-'हरिहर काका' पाठ में जिस यथार्थ को उजागर किया गया है, उससे आपको क्या सीख मिलती है ?

उत्तर-6-यह पाठ पारिवारिक संबंधों में भ्रातृभाव को नकारते हुए पाँव पसारती जा रही स्वार्थ - लिप्सा को दर्शाता है। इसमें धर्म की आड़ में फलने-फूलने का अवसर पा रही हिंसा-वृत्ति को बेनक़ाब किया गया है। यह पाठ आज के ग्रामीण जीवन का ही नहीं बल्कि शहरी जीवन के यथार्थ को भी उजागर करता है। इससे हमें यह पता चलता है कि आज के समय में धन के महत्त्व को सर्वोपरि माना जाता है। धन-प्राप्ति के लिए इंसान किसी भी हद तक नीचे गिर सकता है। हमें इस प्रकार की मनोवृत्ति का परित्याग करने की सीख मिलती है।

प्रश्न-7-यदि आपके आस-पास हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो, तो आप उसकी मदद किस प्रकार करेंगे ?

उत्तर-7-यदि हमारे घर के आस-पास कोई हरिहर काका जैसी हालत में होगा, तो हम उसकी हर संभव मदद करेंगे। पहले तो उसके परिवार वालों को समझाएँगे कि वे उस व्यक्ति के साथ ऐसा व्यवहार न करें, उसे प्यार, सम्मान, अपनापन दें। फिर भी यदि वे न मानें, तो पड़ोस के अन्य गण-मान्य लोगों से अनुरोध करेंगे कि वे उनकी किसी प्रकार से भी सहायता करें। यदि पुलिस की मदद भी लेनी पड़ी, तो हम पीछे नहीं हटेंगे। हम कोशिश करेंगे कि मीडिया भी सहयोग करे और उस व्यक्ति को इंसाफ़ दिलवाए।

प्रश्न-8-समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है ? इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए ।

उत्तर-8-समाज में रिश्तों की बहुत बड़ी तथा विशेष अहमियत है, क्योंकि संसार को चलाने के लिए रिश्ते-नातों का, संबंधों का बहुत महत्त्व है । रिश्तों के कारण ही बहुत-से पाप-अत्याचार, अनाचारों का शमन हो जाता है । वंश परंपराएँ चलती हैं तथा रिश्तों की डोर मज़बूत होती है । व्यक्ति बदनामी के कई कार्य करने से बच जाता है तथा सीख देने में रिश्तों की अहमियत बहुत बड़ी मदद करती है । व्यक्ति की पहचान रिश्तों से ही होती है । सुख-दुःख बाँटने में रिश्ते ही काम आते हैं । आज रिश्तों की अहमियत कम होती जा रही है । भौतिक सुखों की होड़ और दौड़, स्वार्थ-लिप्सा तथा धर्म की आड़ में फलने-फूलने वाली हिंसावृत्ति ने रिश्तों की अहमियत को औपचारिकता तथा आडंबर का जामा पहना दिया है । भाई अपने भाई के ख़ून का प्यासा हो गया है । आज रिश्तों से ज़्यादा धन-दौलत को अहमियत दी जा रही है । हरिहर काका इसके जीवंत उदाहरण हैं । उनके भाई उनकी ज़मीन पाने के लिए इंसानियत की सारी हदें पार कर देते हैं । पंद्रह बीघे ज़मीन पाने के लिए वे काका की हत्या तक करने को तैयार हो जाते हैं । यह मानवता का दुखद अंत प्रतीत होता है ।

प्रश्न-9-गाँव के लोग कुमार्ग पर न चलें, इसके लिए गाँव में जो प्रबंध था, उससे आपको कौन-से जीवन-मूल्य मिलते हैं ?

उत्तर-9-गाँव के लोग कुमार्ग पर न चलें, इसके लिए गाँव में एक ठाकुरबारी की स्थापना की गई थी, जिससे कि गाँववाले आध्यात्मिकता से जुड़ें । गाँववालों की ठाकुरबारी के प्रति अपार श्रद्धा थी । इसलिए सभी अपना प्रत्येक कार्य ठाकुर जी की मनौती मान कर ही करते थे । इससे हमें यह जीवन-मूल्य मिलता है कि कभी किसी को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए । सबकी भलाई के लिए ही कार्य करने चाहिए ।

प्रश्न-10-'हरिहर काका' पाठ से आज की युवा-पीढ़ी को क्या प्रेरणा लेनी चाहिए ?

उत्तर-10-'हरिहर काका' पाठ से आज की युवा-पीढ़ी को यह प्रेरणा लेनी चाहिए कि अगर हरिहर काका की तरह कोई व्यक्ति ज़मीन का मालिक है, धनी है, तो उसे स्वार्थ के धरातल से उठकर अपनी ज़मीन तथा संपत्ति को सत्कर्मों तथा परोपकार में लगा देना चाहिए । लोभ, मोह-माया आदि का त्याग कर देना चाहिए । ऐसा करने से उसके लोक-परलोक दोनों सार्थक हो जाते हैं तथा उस व्यक्ति का जीवन भी आनंद से बीतता है ।

****